इकनॉमिक टाइम्स
Copyright © 2014 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved
Mon, 22 May-17; Economic Times - Hindi - Delhi; Size : 337 sq.cm.;
Page : 1

प्रोविजनिंग में कमी से दिखे सरकारी बैंकों में सुधार के संकेत

कई वर्षों से बैड लोन की समस्या से जूझ रहे बड़े सरकारी बैंकों में सुधार के लक्षण दिख रहे हैं। दरअसल मार्च 2017 को खत्म क्वॉर्टर में इनके प्रॉफिट में बढ़ोतरी हुई जबकि प्रोविजन में गिरावट आई। हालांकि बैड लोन में हो रही बढ़ोतरी के चलते मझोले और छोटे सरकारी बैंकों में कमजोरी बनी हुई है। पेज 5

प्रोविजनिंग में कमी से दिखे सरकारी बैंकों में सुधार के संकेत

PNB, बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक मार्च क्वॉर्टर में पिछले साल के लॉस से उबर कर प्रॉफिट में आ गए

[जोएल रेबेलो | मुंबई]

कई वर्षों से बैड लोन की समस्या से जूझ रहे बड़े सरकारी बैंकों में सुधार के लक्षण दिख रहे हैं। दरअसल मार्च 2017 को खत्म क्वॉर्टर में इनके प्रॉफिट में बढ़ोतरी हुई जबकि प्रोविजन में गिरावट आई।

हालांकि बैड लोन में हो रही बढ़ोतरी के चलते मझोले और छोटे सरकारी बैंकों में कमजोरी बनी हुई है। देश के टॉप 4 सरकारी बैंक प्रोविजन में कमी होने के चलते पिछले साल के लॉस से उबर कर प्रॉफिट में आ गए हैं या फिर उनके प्रॉफिट में तेज उछाल आया है। पंजाब नेशनल बैंक (PNB), बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) और केनरा बैंक मार्च क्वॉर्टर में पिछले साल के लॉस से उबर कर प्रॉफिट में आ गए। जहां तक देश के सबसे बड़े बैंक की बात है तो बैड लोन घटने से एसबीआई का प्रॉफिट डबल से ज्यादा हो गया।

बैड लोन घटने से देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई का प्रॉफिट डबल से ज्यादा हो गया

विश्लेषकों का कहना है कि वित्तीय नतीजों के हिसाब से ये बैंक अपने अधिकांश नॉन परफॉर्मिंग लोन को पहले ही बैड लोन करार दे चुके हैं और मुमकिन है कि ये बैंक बहुप्रतीक्षित रिकवरी की राह पर कदम बढ़ा चुके हों।

रिलायंस सिक्योरिटीज के एनालिस्ट आशुतोष कुमार मिश्रा ने कहा, 'इस तिमाही के नतीजों से इस बात पर मेरा भरोसा बढ़ गया है कि बड़े सरकारी बैंकों ने रिकवरी की राह पर पहला कदम बढ़ा लिया है क्योंकि कुछ मामलों में बैड लोन के लिए प्रोविजनिंग करने में उन्होंने प्राइवेट बैंकों से ज्यादा सक्रियता दिखाई है। जब बैड लोन का निपटारा होगा तो इन बड़े बैंकों में ज्यादा रिकवरी होगी और ज्यादा अपग्रेड होंगे, जिससे उनको फिस्कल ईयर 2019 के बाद फायदा होगा।'

सभी बड़े बैंकों का प्रॉफिट बेहतर रहने की वजह उनका परफॉर्मेंस नहीं है लेकिन यह बात पक्के तौर पर कही जा सकती है कि इन सभी बैंकों की प्रोविजनिंग में तेज गिरावट आई है। मिसाल के लिए देश के दूसरे बड़े बैंक पीएनबी को मार्च क्वॉर्टर में 262 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है जबकि सालभर पहले उसको 5,367.14 करोड़ रुपये का लॉस हुआ था। बैंक ने पिछले साल एंप्लॉयीज पेंशन और ग्रेच्यूटी के वास्ते किए 2,027 करोड़ रुपये के प्रोविजन को राइट बैक किया है, क्योंकि एक्सटर्नल ऑडिटर्स ने अपने नोट में लिखा है कि ये काम आधिकारिक राय लिए बिना किया गया है।

आमतौर पर इन सभी बड़े बैंकों ने प्रोविजनिंग में कमी होने पर प्रॉफिट दिखाया है। मार्च क्वॉर्टर में एसबीआई का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 1,264 करोड़ रुपये से डबल होकर 2,815 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। प्रॉफिट में इतना उछाल आने की बड़ी वजह प्रोविजनिंग में सालाना आधार पर 9.4 पर्सेंट की गिरावट है। बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट भी इस दौरान 13 पर्सेंट बढ़ गया है।

मोतीलाल ओसवाल सिक्योरिटीज के हेड ऑफ रिसर्च गौतम दुग्गड़ कहते हैं, 'इन बड़े बैंकों का ऑपरेटिंग प्रॉफिट बढ़ा है जिससे उनको अपना बैलेंसशीट की सफाई करने में मदद मिली है।'